



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रारंभिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]  
No. 14]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 26, 1987/माघ 6, 1908  
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 26, 1987/MAGHA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1987

फा. म. 394/100/86—सी. शु. (त. रो.)—  
राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1987 के अवसर पर, सीमाशुल्क  
निदेशालय, कोचीन के अधिकारी श्री सी. एम. डासन को,  
जिन्होंने अपनी जान को भी जोखिम में डाल कर, असाधारण  
प्रशंसनीय मेंद्रा की, प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं :—

मेंद्रों का विवरण जिनके लिए

प्रमाण-पत्र दिया गया है।

दिनांक 23-12-1980 को कोचीन सीमाशुल्क गृह के  
तीन सीमाशुल्क अधिकारी एक संदिग्ध जलयान की जांच

करने के लिए सीमाशुल्क के एक जलयान में सवार हुए।  
नाविक सर्वश्री अब्दुल कलाम और टी. के. सहदेवन के साथ,  
श्री सी. एम. डासन इस जलयान का संचालन कर रहे थे।  
ये अधिकारी संदिग्ध जलयान में सवार हुए। यथापि आकाश  
साफ था, अचानक ही मौसम खराब हो गया तथा समुद्र में  
भीषण झंगावत आ गया। और समुद्र बहुत अगात्त हो गया  
था। लगातार मूसलाधार बारिश होते रहने के कारण, पानी  
जलयान में घुम गया तथा इंजिन ने कार्य करना बद्द  
कर दिया। जलयान में पानी को बाहर निकालने के प्रयास  
असफल हो गए तथा जलयान डूबने लगा। इस स्थिति में  
सर्वश्री डासन और सहदेवन ने जलयान को छोड़ दिया।  
सीमाशुल्क अधिकारियों द्वारा जलपोत से फैके गए रक्षा  
बोयाओं को उन्होंने पकड़ लिया था। नथापि, सहदेवन तेज  
लहरों द्वारा जलपोत से बहकर दूर चले गए थे। श्री सहदेवन  
सहायता के लिए चिल्हाए तथा श्री डासन ने फौरन उनके  
बुलावे पर अभिक्रिया की तथा वे अशांत समुद्र में लगभग  
एक किलोमीटर तक की दूरी तक तैरे और अपनी जान को  
भागी जोखिम में डालकर उन्हें क्षुब्ध समुद्र से बचाया।

दिनांक 2-8-1981 को, जिस समय श्री डासन थेवारा नाव जेटी पर थे, उन्होंने प्रातः 6.30 बजे निषिद्ध माल से सबी हुई एक डोंगी को देखा जो समुद्र तट पर लगने के लिए समीप आ रही थी। हालांकि श्री डासन की इयूटी समाप्त हो चुकी थी, फिर भी उन्होंने बिवेकपूर्ण तरीके से डोंगी को अपने नियंत्रण में ले लिया और सीमाशुल्क कर्मियों को सचेत कर दिया जिसके परिणामस्वरूप 30,000 रु. का निषिद्ध माल पकड़ा गया।

दिनांक 26-9-1986 को, सीमाशुल्क अधिकारियों ने, जो एक संदिग्ध नौका (याच्च) की, जिसमें कुछ बिदेशी सवार थे तात्परी ले गए थे और उस नौका में एक पैकेट देखा। इसने पैकेट की आमाशुल्क के अधिकारी इस पैकेट को अपने कब्जे में ले, एक विदेशी ने इस पैकेट को समुद्र में फेंक दिया। श्री डासन जो सीमाशुल्क के पाता में, इस नौका के समीप थे, ने इस इवाना, और विदेशी गतांशंतरी सहायक यंत्र के, आपना जान जोखिम में डालकर गहरे समुद्र में कूद रहे। पातों में एक घंटे के जोखिमपूर्ण एवं कठोर कार्य करने के पश्चात् श्री डासन ने प्लास्टिक का एक पैकेट ढूँढ़ निकाला जिसमें दो किलोग्राम हणीण थी। उनके अनुकरणीय साहस एवं सद्बुद्धि के कारण ही हशीश ढूँढ़ निकाली जा सकी।

2. यह पुरस्कार, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी समय-समय पर यथासंशोधित उस योजना के पैरा 1 के खण्ड (क) (1) के अन्तर्गत दिया है, जो भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग I, खण्ड 1 में अधिसूचना सं. 12/139/59-प्रशा.-III-ब, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी। श्री डासन को नकद भत्ता भी दिया जा रहा है।

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January, 1987

No. F. 394/100/86-CUS(AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1987, to award an Appreciation Certificate to Shri C. M. Dasan, Serang, Customs Collectorate, Cochin, for exceptionally meritorious service rendered by him at the risk of his life.

#### STATEMENT OF SERVICES FOR WHICH THE CERTIFICATE HAS BEEN AWARDED

On 23-12-1980, three Customs Officers of Cochin Custom House proceeded on board of a Customs craft for checking a suspected vessel. The craft was navigated by Shri C. M. Dasan along with seamen S/ Shri Abdul Kalam and T. K. Sahadevan. The officers boarded the suspected vessel. Though the sky was clear, the weather deteriorated suddenly and turned squally and the sea became very rough. There was continuous heavy down-pour and water entered the craft and the engine stopped.

The efforts to pump out water from the craft failed and the craft started sinking. At this stage, S/ Shri Dasan and Sahadevan abandoned the craft. The life buoys thrown by the Customs officers from the vessel were picked up by

them. However, Sahadevan was carried by the strong waves away from the vessel. Shri Sahadevan yelled for help and Shri Dasan spontaneously reacted to his call and swam in the rough sea for a distance of about one kilometer and rescued him from the choppy sea at grave risk to his own life.

On 2-8-1981, while remaining at Thevara boat Jetty, Shri Dasan noticed at 6.30 A.M. a Canoe loaded with contraband goods coming closer to the shore for landing. Though Shri Dasan was off duty, he tactfully brought the Canoe under his control and alerted the Customs staff which resulted in the seizure of contraband goods worth Rs. 30,000.

On 26-9-1986, the Customs Officers who were rummaging a suspected yacht occupied by some foreigners noticed a packet in the yacht. Before the packet could be taken over by the Customs officer, one of the foreigners threw the packet into the sea. Shri Dasan who was near the yacht in the Customs launch noticed this and jumped into the deep waters without any diving aid risking his own life. After an hour's risky and strenuous under-water operations Shri Dasan retrieved a plastic packet containing hashish weighing two Kgs. The hashish could be retrieved due to his exemplary courage and presence of mind.

2. The award is made under clause (a) (i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Department, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary notification No. F. 12/139/59-Ad. III(B) dated the 5th November, 1962 as amended from time to time. Shri Dasan also gets a cash allowance.

#### अधिसूचना

फा.सं. 394/100/86-सी.ए. (तस्करी-रोधी) :—  
राज्यपति जी, गणतन्त्र दिवस, 1987 के अवसर पर सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के निम्ननिर्धित अधिकारियों में से प्रथम को उनकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए प्रगति प्रमाणपत्र प्रदान करते हैं :—

1. श्री एम. वीरेन्द्रन,  
उप निदेशक  
राजनीति-राजी निदेशालय (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क)  
क्षेत्रीय एकाक,  
मद्रास
2. श्री ए. एस. बगुलाभरणन  
सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,  
हैदराबाद
3. श्री एन. ई. सेम्युएल राज  
अधीक्षक (सीमाशुल्क)  
सहाय हवाई शुल्क,  
बम्बई
4. श्री ई. टी. कुलकर्णी,  
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी,  
राजस्व आसूचना निदेशालय,  
बम्बई।

2. ये पुरस्कार सीमान्तरिक और केन्द्रीय उत्पादन गुणीय विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी समय-समय पर व्यासंस्थोधित उस योजना के पैरा 1 खण्ड (क) (ii) के अन्तर्गत दिए जाते हैं, जो भारत के राष्ट्रपत्र, असाधारण के भाग I, खण्ड 1 में, अधिसूचना सं. 12/139/59—असाधारण—III (ख), दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी।

टी. एस. स्वामीनाथन, अपर सचिव

#### NOTIFICATION

F. No. 394/100/86-CUS(AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1987, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Department:—

1. Shri M. Veeraiyan,  
Deputy Director,  
Directorate of Anti-Evasion (Central Excise),  
Zonal Unit,  
MADRAS

2. Shri A. S. Vagulabharanan,  
Assistant Collector of Central Excise,  
Hyderabad

3. Shri N. E. Samuel Raj,  
Superintendent (Customs),  
Sahar Airport,  
BOMBAY

4. Shri E. T. Kulkarni,  
Senior Intelligence Officer,  
Directorate of Revenue Intelligence,  
BOMBAY

2. These Awards are made under clause (a) (ii) of para 1 of the scheme governing the grant of Awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Department, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extra-ordinary Notification No. 12/139/59-Ad.III(B) dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

T. S. SWAMINATHAN, Addl. Secy.

